**07-04-2023**

# स्वच्छता अभियान में एनएसआई को मिली सेकेंड पोजीशन

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

कानपुर। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी संगठनों में शर्करा संस्थान को वर्ष 2022 एवं 2003 में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान अनुकरणीय स्वच्छता अभियान के लिए द्वितीय स्थान प्रदान किया गया है। संजीव चोपड़ा, सचिव एवं सार्वजनिक वितरण) भारत सरकार ने कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में शर्करा संस्थान के निदेशक को यह पुरस्कार प्रदान किए संजय चोपड़ा सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण ने विजेताओं को बधाई देते हुए अधिकारियों से आह्वान किया कि स्वत को अपनी आदत बना ले और प्रति सप्ताह कम से कम 3 घंटे स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में अवश्य दें राय शर्करा संस्थान का उदेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष प्रतिवर्ष पुरस्कार प्राप्त किया जाना संस्थान द्वारा सतत प्रयास किए जाने का प्रमाण है और यह दूसरों के लिए एक उदाहरण होना चाहिए मंत्रालय अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन सभी को अवगत कराया कि हमने न केवल संस्थान के कैंपस में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कार्य किया है वरन शर्करा योग और पूरे समाज में स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। संस्थान के सतत और दीर्घकालिक प्रयासों के कारण आज भारतीय उद्योग एक अपशिष्ट प्रबंधन के साथ अधिक स्वच्छ और हरित हो गया है।

# शर्करा संस्थान के निदेशक को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

**कानपुर (नगर छाया समाचार)।** उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी संगठनों में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान को वर्ष 2022 एवं 2023 में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान अनुकरणीय स्वच्छता अभियान के लिए द्वितीय स्थान प्रदान किया गया है। श्री संजीव चोपड़ा, सचिव (खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण) भारत सरकार ने कृषि भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में शर्करा संस्थान के निदेशक को यह पुरस्कार प्रदान किया।

श्री संजीव चोपड़ा सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण ने विजेताओं को बधाई देते हुए अधिकारियों से आह्वान किया कि स्वच्छता को अपनी आदत बना ले और प्रति सप्ताह कम से कम 3 घंटे स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में अवश्य दें। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष प्रतिवर्ष पुरस्कार प्राप्त किया जाना संस्थान द्वारा सतत प्रयास किए जाने का प्रमाण है और यह दूसरों के लिए एक उदाहरण होना चाहिए।

मंत्रालय अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने सभी को अवगत कराया कि हमने न केवल संस्थान के कैंपस में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कार्य किया है वरन शर्करा उद्योग और पूरे समाज में स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। संस्थान के सतत और दीर्घकालिक प्रयासों के कारण आज भारतीय शर्करा उद्योग एक सक्षम अपशिष्ट प्रबंधन के साथ अधिक स्वच्छ और हरित हो गया है।